

पाठ : कर्ण

पूर्व ज्ञान/ विषय वस्तु पाठ्येतर विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य	
	सामान्य	विशिष्ट
पूर्व ज्ञान: भीम पूर्वज्ञान संबन्धित प्रश्न- परिशिष्टसंख्या-7अ/१ विषय वस्तु- कर्ण उपविषय वस्तु :- अ) नकारात्मकता के प्रति सतर्कता आ) अभिव्यक्ति-क्षमता इ) रंगमंचीयता पाठ्येतर विषय वस्तु *नाटिका-लेखन *चरित्र चित्रण	विद्यार्थी अ) परिस्थितियों के कारण आए उतार-चढ़ाव के कारण उत्पन्न नकारात्मकता के प्रति सतर्क हो सकेंगे। आ) महाभारत के पात्रों के प्रति अपने विचार अभिव्यक्त कर सकेंगे। इ) रंगमंच के महत्व को समझ कर नाटिका प्रस्तुत कर सकेंगे।	विद्यार्थी अ) परिस्थितियों के कारण आए उतार-चढ़ाव के कारण उत्पन्न नकारात्मकता से ग्रसित कर्ण का चरित्र चित्रण कर सकेंगे। आ) कर्ण के चरित्र के प्रति अपनी प्रतिक्रिया लिखित अभिव्यक्ति प्रस्तुत कर सकेंगे। इ) कर्ण के बहुमुखी प्रतिभा पर आधारित नाटिका को प्रस्तुत कर सकेंगे।

गृहकार्य:- पाठ से संबन्धित प्रश्न

क्रियाविधि:- कर्ण के जीवन से जुड़ी विभिन्न विशिष्टताओं में से किसी एक विशेषता का चयन कर लघु नाटिका को तैयार कर कक्षा में प्रस्तुत करने से संबन्धित।

कक्षा :- सात

अध्यापिका की गतिविधि	विद्यार्थियों की गतिविधि	पाठ पढ़ने के बाद अध्यापिका का मंतव्य तथा निराकरण
पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेंगी:-परिशिष्टसंख्या :-7अ/१	पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देंगे:- परिशिष्टसंख्या :-7आ/१	*पाठ पढ़ाने के बाद लिखा जाएगा
काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्टसंख्या :-7अ/२	काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि में भाग लेंगे । परिशिष्टसंख्या :-7आ/२	
अध्यापिका के निर्देशन में विद्यार्थी उचित विरामचिन्ह के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए पाठ पढ़ेंगे ।	विद्यार्थी उचित विरामचिन्ह के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए पाठ पढ़ेंगे ।	
अध्यापिका के निर्देशन में विद्यार्थी अध्यापिका द्वारा निर्धारित अंश के व्याख्या का प्रयास करेंगे ।	विद्यार्थी निर्धारित अंशों की व्याख्या करेंगे ।	
अध्यापिका के निर्देशन में पाठ के अर्थ को आत्मसात् कर पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करेंगे।	विद्यार्थी पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देंगे।	
क्रियाकलाप हेतु क्रियाविधि :- परिशिष्टसंख्या :-7अ /3	अपनी गतिविधियों में भाग लेंगे। परिशिष्टसंख्या :-7आ/3	
अभ्यास हेतु कार्यपत्र :- परिशिष्टसंख्या :-7अ /4	अभ्यास हेतु दिये गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगे। परिशिष्टसंख्या :-7आ/4	

सहायक सामाग्री :- पाठ्य-पुस्तक ,स्मार्ट बोर्ड एवं संलग्न प्रपत्र १ कार्यपत्र ,२ क्रियाकलाप का विवरण

विधि:- १. पठन-पाठनविधि,२. उदाहरण विधि,३. काठिन्य निवारण विधि, ४. व्याख्या विधि ५.व्यास विधि

अन्तःविषय संबंध :- नैतिकता, कर्तव्य बोध, सामाजिक ज्ञान, इतिहास, मनोवैज्ञानिकता ।

विद्यालय भवन :- विद्यालय के पुस्तकालय में जाकर प्रसिद्ध कवि रामधारी सिंह दिनकर की कृति 'रश्मिरथी' पढ़ेंगे।

विभागाध्यक्ष

समन्वयक

उप-प्रधानाचार्य

प्रधानाचार्य

1.पूर्व ज्ञान से संबन्धित प्रश्न -परिशिष्टसंख्या -7 अ/1

संभावित उत्तर

प्रश्न.1 - पाँचों पाण्डवों में शारीरिक रूप से सबसे शक्तिशाली कौन था ?

भीम

प्रश्न.2 - धनुर्विद्या में सबसे निपुण कौन था ?

अर्जुन

प्रश्न.3 - अर्जुन का सबसे बड़ा प्रतिद्वंदी कौन था ?

नहीं पता

कथन :- आइये 'कर्ण' पाठ को पढ़ कर जानते हैं कि महाभारत की कथा में उनका क्या योगदान था ।

2.काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्टसंख्या -7 अ/2

*कक्षा को चार समूहों में विभाजित किया जाएगा।

*प्रत्येक समूह एक A 4 शीट पर निर्धारित अंश से कठिन शब्दों को लिखेगा ।

*समूह आपस में अदलाबदली कर अर्थ लिखने का प्रयास करेंगे।

*अध्यापिका उत्तर की पुष्टि कर विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिका पर अर्थ लिखने का निर्देश देंगी ।

3.क्रियाकलाप हेतु क्रिया विधि:- परिशिष्टसंख्या -7अ/3

*अध्यापिका कक्षा के विद्यार्थियों को पाँच- पाँच के समूह में विभाजित करेंगी ।

*तत्पश्चात् अध्यापिका प्रत्येक समूह को महाभारत कथा के पात्र कर्ण के जीवन से जुड़ी विभिन्न विशिष्टताओं में से किसी एक विशेषता का चयन कर लघु नाटिका को तैयार करने का निर्देश देंगी ।

*अध्यापिका प्रत्येक समूह को चयनित विषय पर कक्षा में नाट्य-प्रस्तुति के लिए कहेंगी ।

* विद्यार्थी नाटिका का लिखित साक्ष्य अध्यापिका को देंगे ।

*अध्यापिका कार्यपत्र करने के लिए देंगी ।

*अंत में अध्यापिका उनके प्रस्तुति का निर्धारित प्रारूप के आधार पर मूल्यांकन करेंगी ।

*मूल्यांकन के मानदंड:-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

4. अभ्यास हेतु कार्यपत्र :- परिशिष्टसंख्या -7अ/4

कार्यपत्र

पाठ: कर्ण

गतिविधि : प्रतिभाशाली कर्ण

विद्यार्थी का नाम:

अनुक्रमांक:

प्रश्न-1. एक ही व्यक्ति परिस्थितियों के अनुसार सकारात्मक भी होता है और वही व्यक्ति परिस्थितियां बदलने पर नकारात्मक भी हो जाता है | यथा कर्ण पूरी कथा में कभी निंदा का तो कभी और प्रशंसा का पात्र बनता है | कभी उस पर दया आती है तो कभी भयंकर क्रोध भी आता है | नीचे लिखी तालिका में उन घटनाओं या परिस्थितियों को संक्षेप में लिखिए जब उसका बहुमुखी व्यक्तित्व उभर कर आता है |

“बहुमुखी प्रतिभावान कर्ण”

निंदा का पात्र	प्रशंसा का पात्र	दया आती है	क्रोध आता है

प्रश्न-2. कर्ण पर आधारित नाटिका के मंचन तथा तालिका पूर्ति के बाद आप कर्ण के चरित्र के विषय में कैसे विचार रखते हैं ? उदाहरण देते हुए अपने शब्दों में समझाइए |
